सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु

गुजरात स्थापना दिवस
01 मई 2026

विभिन्न कार्यक्रम आयोजन

प्रेरणा श्रोत-

माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल

सम्प्रति राज्यपाल उत्तर प्रदेश

कुलपति - प्रो कविता शाह

माननीय राज्यपाल/कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रदत्त निर्देशानुसार गुजरात का स्थापना दिवस दिनांक 01-05-2026 (शुक्रवार) को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में धूम धाम के साथ, उल्लास पूर्वक आयोजित किया गया। जिसमें एक सप्ताह पूर्व से ही विभिन्न कार्यक्रम कराये गए। विश्वविद्यालय द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया –

* गुजरात स्थापना दिवस के दिन गरबा और डांडिया नृत्य का आयोजन
* गुजरात दिवस पर डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन
* पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन
* सीमावर्ती क्षेत्रों का भ्रमण
* ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण
* TB पोषण पोटली वितरण
* HPV वैक्सीन के लिए जागरूकता अभियान
* गुजरती व्यंजन प्रतियोगिता
* गुजरात गौरव पदयात्रा
* गोद लिए गए गांव में कारीगरों से मुलाकात

गुजरात स्थापना दिवस - संस्कृति इतिहास और विकास

क्रमणिका

1. दिनांक 01-05-2026 - गुजरात स्थापना दिवस
2. दिनांक 01-05-2026- बुद्ध पूर्णिमा आयोजन
3. दिनांक –24-04-2026 - छात्रों को ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया गया
4. दिनांक 26-04-2026 - छात्रों और शिक्षकों शिक्षिकाओं द्वारा स्कूटी रैली
5. दिनांक – 28-04-2026 - छात्रों को देश के सीमावर्ती क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया
6. दिनांक -29-04-2026 - पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया
7. दिनांक 30-04-2026- छात्रों द्वारा पदयात्रा
8. दिनांक -30-04-2026 - गोद लिए गए गांव में HPV वैक्सीन के प्रति जागरूकता अभियान
9. दिनांक 30-04-2026 - पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम एवं हस्त शिल्प कारीगरों से मुलाकात

गुजरात स्थापना दिवस - संस्कृति इतिहास और विकास

स्थान - गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु

उद्देश्य –

- विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक विविधता की भावना का विकास करना।
- गुजरात के इतिहास , परंपरा एवं विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाना
- एक भारत श्रेष्ठ भारत के विचार को प्रोत्साहित करना

लाभार्थियों की संख्या - 450

उदघाटन सत्र में सर्वप्रथम गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह में स्थापित भगवन बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर समस्त अतिथि एवं कुलपति जी ने प्रेक्षागृह में प्रवेश किया। सभी अतिथियों ने पोस्टर प्रतियोगिता में बनाये गए पोस्टरों का अवलोकन किया तथा छात्रों की सराहना की। पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों द्वारा गुजरात की रंगारंग परंपरा का चित्रण किया गया।

मंच पर आसीन देवी सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन किया गया एवं सरस्वती वंदना का गायन छात्राओं द्वारा किया गया।

तदुपरांत गुजरात की डॉक्यूमेण्ट्री छात्रों को दर्शायी गयी। माननीय कुलपति प्रो कविता शाह ने गुजरात की आर्थिक नीतिया और समृद्ध परंपरा पर प्रकाश डाला।

गुजरात गौरव गाथा - गुजरात स्थापना दिवस के दिन गुजरात राज्य की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और आर्थिक उपलब्धियों से छात्रों को अवगत कराया गया। डाक्यूमेंट्री के माध्यम से उन्हें गुजरात की विशेषताओं के बारे में बताया गया। गुजरात की प्राचीन सभ्यता एवं समृद्ध व्यापारिक परमपारा से छात्रों का साक्षात्कार कराया गया।

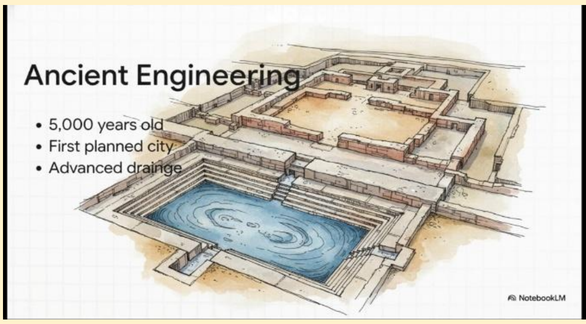

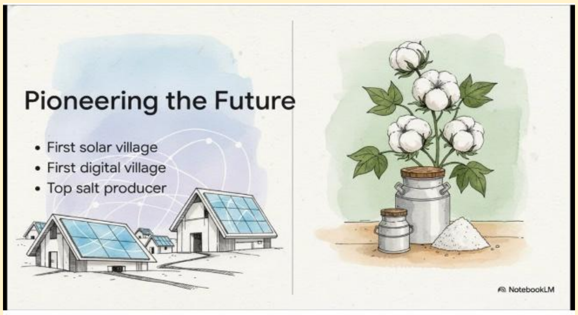

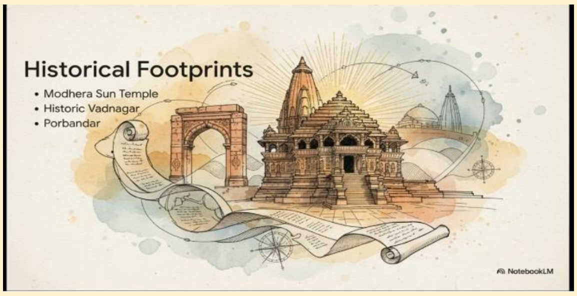

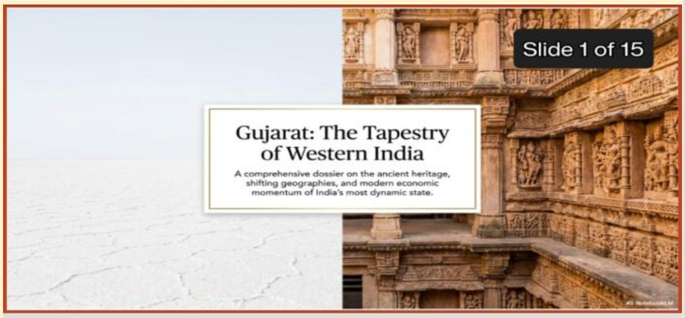

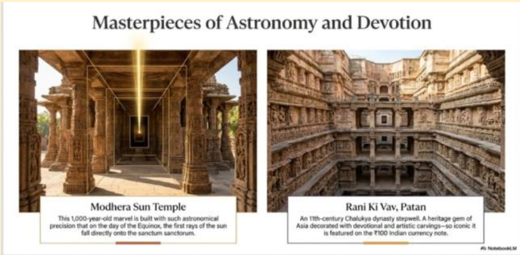

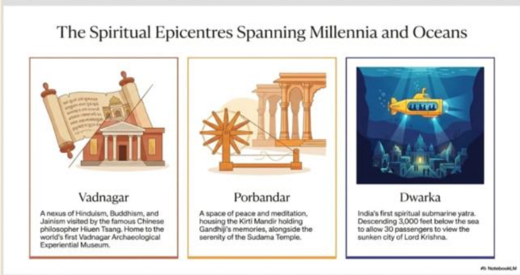

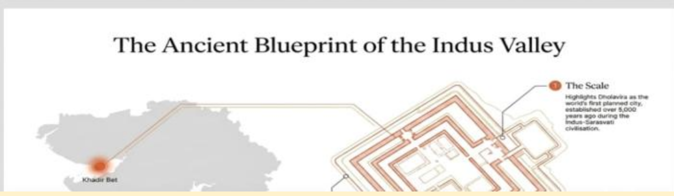

Synthesising the Heritage Masterworks

Site	Era	Core Innovation	Distinction
Dholavira	5,000 years ago (Indus Valley)	Multi-layered urban planning, advanced water management	World's first planned city.
Modhera	11th Century	Astronomical precision	Equinox sunrays illuminate the sanctum sanctorum.
Patan (Rani Ki Vav)	11th Century (Chalukya)	Subterranean devotional architecture	Featured on the ₹100 note.
Vadnagar	Ancient to Medieval	Cultural syncretism (Hindu/Buddhist/Jain)	Visited by Hiuen Tsang; World's first experiential museum.

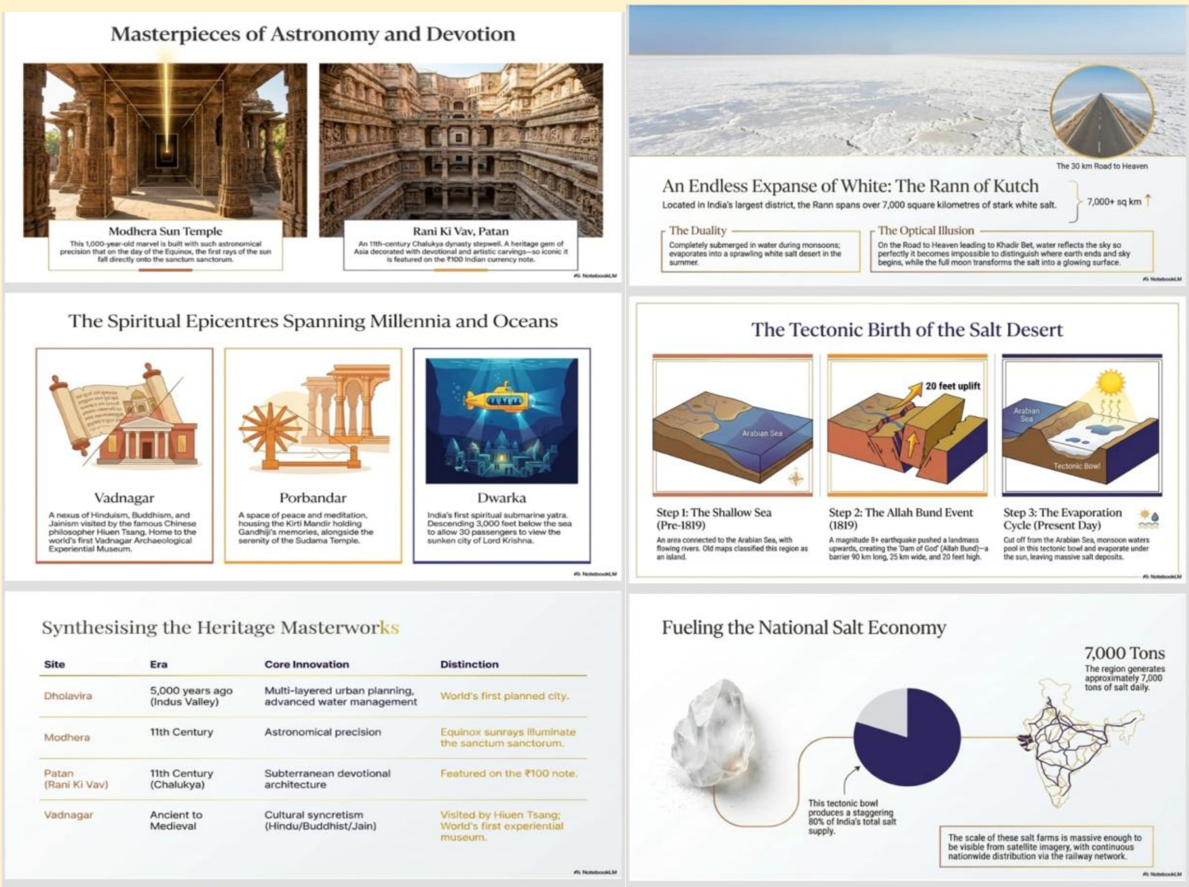

महात्मा गाँधी के विचारों से छात्रों को अवगत कराया गया और देश के प्रति उनकी सच्ची प्रेरणा से रुबरु कराया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल के देश के प्रति समर्पण की भावना एवं व्यापर और उद्योग में गुजरात की भूमिका को भी छात्रों से साझा किया गया। छात्र छात्राओं को हमारी प्रेरणा श्रोत श्रीमती आनंदीबेन पटेल माननीय कुलाधिपति के उत्कृष्ट व्यक्तित्व एवं नव निर्माण की योजनाओं से अवगत कराया गया। देश के माननीय प्रधानमंत्री भी गुजरात से हैं आपकी विकसित भारत की योजना में छात्रों को सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया।

धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण गुजरात अपने सोमनाथ मंदिर, मोढेरा मंदिर और रानी की वाव जैसे स्थलों से जाना जाता है। प्राचीन जल संचयन परंपरा का प्रतीक रानी की वाव गुजरात का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। मोढेरा का सूर्य मंदिर जिसमें वसंत विषुव और शरद विषुव पर सूर्य की किरणे सीधे गर्भगृह में भगवन के मस्तक का स्पर्श करती हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान भी गुजरात में स्थित है।

गुजरात गौरव केवल एक भावना नहीं बल्कि भारत की समृद्ध विविधता , सांस्कृतिक धरोहर और विकास शील शक्ति का प्रतीक है। यह हमें अपने देश की विरासत पर गर्व करने और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है।

छात्रों द्वारा नृत्य प्रस्तुति किये गए जिसमें डांडिया और गरबा नृत्यों का सुन्दर प्रदर्शन किया गया

डांडिया नृत्य

गरबा नृत्य

शाम को ६ बजे से बुद्ध पूर्णिमा का आयोजन किया गया। सभी छात्र छात्राएं गरबा नृत्य के बाद बुद्ध स्थल तक पदयात्रा करते हुए पहुंचे जहाँ भगवन बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्पार्चन और उनके शौर्य में गीतों की प्रस्तुति की गयी। सभी को कुलपति जी द्वारा सम्बोधित किया गया और गुजरात दिवस के पवन पर्व की धूम में उनका वंदन किया गया।

कुलपति , शिक्षक व् छात्र छात्राएं ने ग़ाज़ीबो तक जाकर दीप दान किये और भगवन बुद्ध का स्मरण किया।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए शाम ।३० बजे तथागत अतिथि गृह में गुजराती व्यंजन प्रतियोगिता के बाद भोजन का आनंद लिया गया। तथा इसी के साथ गुजरात स्थापना दिवस को पूर्ण हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया गया।

सभी छात्र व् शिक्षकों द्वारा रात्रि भोजन ग्रहण किया गया।

गुजरात स्थापना दिवस पर कई दिनों से चल रहे कार्यक्रम श्रृंखला का हुआ भव्य समापन

जिला संवाददाता
सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में गत कई दिनों से आयोजित गुजरात स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला का आज भव्य समापन किया गया। गुजरात दिवस के अवसर पर आज विश्वविद्यालय परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह में आयोजित इस समापन कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुजरात प्रदेश के स्थापना दिवस के आयोजन का निर्देश प्राप्त होने के उपरांत विश्वविद्यालय में लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी को गुजरात दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह एक अत्यंत स्वस्थ एवं प्रेरणादायक परंपरा है, जिसमें एक राज्य का स्थापना दिवस दूसरे राज्य में उल्लासपूर्वक मनाया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना को सुदृढ़ करते हैं तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के बीच राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समरसता का भाव विकसित करते हैं। गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, सामाजिक जीवन की जीवंतता तथा उसकी आध्यात्मिक विविधता भारत की साझा विरासत को समृद्ध करती है। वहाँ की परंपराएँ, लोकजीवन, धार्मिक सह–अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। गुजरात की आर्थिक प्रगति और विकास मॉडल आज भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के लिए भी एक महत्वपूर्ण प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित है।कुलपति ने सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के शिल्पकार के रूप में स्मरण करते हुए कहा कि उनका योगदान राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय है। साथ ही महात्मा गांधी, जिनका गहरा संबंध गुजरात से रहा है, उन्होंने न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व को अहिंसा का संदेश दिया। आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में गांधीजी का यह संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि महात्मा गौतम बुद्ध के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय में शांति, करुणा और सह–अस्तित्व का संदेश विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

इस अवसर पर कुलसचिव ने कहा कि विगत दिनों से चल रही इस कार्यक्रम श्रृंखला के समापन अवसर पर अत्यंत सुखद अनुभूति हो रही है। परीक्षा के व्यस्त समय के बावजूद विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सराहनीय है तथा शिक्षकों एवं कर्मचारियों का सहयोग कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण रहा है। कार्यक्रम की संयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर नीता यादव ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को देश की विविध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हैं और उनमें राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में "बुद्धं शरणं गच्छामि" गीत की मनमोहक प्रस्तुति संगीतकार साकेत एवं उनकी टीम द्वारा दी गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा सोलो एवं समूह नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिनमें विशेष रूप से पारंपरिक गुजराती गरबा नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। महात्मा गांधी के प्रिय भजन "वैष्णव जन तो" का भावपूर्ण गायन भी किया गया। इसके अतिरिक्त गुजरात की संस्कृति, सामाजिक जीवन एवं आर्थिक विकास पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसे विद्यार्थियों ने अत्यंत रुचि के साथ देखा। कार्यक्रम में प्रोफेसर प्रकृति राय, प्रोफेसर सुनील श्रीवास्तव, प्रो लक्ष्मण सिंह सहयुक्त आचार्य आशुतोष वर्मा, डॉ. यशवंत डॉ. रक्षा, डॉ. विमल वर्मा, अमरजीत यादव, डॉ. यशवंत यादव, डॉ. प्रदीप पांडेय, डॉ अमरजीत, डॉ. दीप्ति गिरी, डॉ. किरण, डॉ. आभा द्विवेदी, डॉ. राजेश सहित अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिवम शुक्ला द्वारा किया गया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियाँ अत्यंत उत्साहवर्धक एवं सराहनीय रही

सिविवि में चल रहे गुजरात स्थापना दिवस के कार्यक्रम का हुआ समापन

स्वतंत्र चेतना, बर्डपुर, सिद्धार्थनगर। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति, के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय में गत कई दिनों से आयोजित गुजरात स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला का आज भव्य समापन किया गया। गुजरात दिवस के अवसर पर आज विश्वविद्यालय परिसर में विविध सांस्तिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह में आयोजित इस समापन कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुजरात प्रदेश के स्थापना दिवस के आयोजन का निर्देश प्राप्त होने के उपरांत विश्वविद्यालय में लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी को गुजरात दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह एक अत्यंत स्वस्थ एवं प्रेरणादायक परंपरा है, जिसमें एक राज्य का स्थापना दिवस दूसरे राज्य में उल्लासपूर्वक मनाया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सुदृढ करते हैं तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के बीच राष्ट्रीय एकता और सांस्तिक समरसता का भाव विकसित करते हैं। गुजरात की समृद्ध सांस्तिक विविधता, सामाजिक जीवन की जीवंतता तथा उसकी आध्यात्मिक विविधता भारत की साझा विरासत को समृद्ध करती है। कार्यक्रम की संयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर नीता यादव ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को देश की विविध सांस्तिक विरासत से परिचित कराते हैं और उनमें राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक सुदृढ बनाते हैं। सांस्तिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुद्धं शरणं गच्छामि गीत की मनमोहक प्रस्तुति संगीतकार साकेत एवं उनकी टीम द्वारा दी गई। कार्यक्रम में प्रोफेसर प्रति राय, प्रोफेसर सुनील श्रीवास्तव, प्रो लक्ष्मण सिंह सहयुक्त आचार्य आशुतोष वर्मा, डा यशवंत डा रक्षा डा. विमल वर्मा, अमरजीत यादव, डा यशवंत यादव, डा. प्रदीप पांडेय, डा अमरजीत डा. दीप्ति गिरी, डा. किरण, डा.आभा द्विवेदी डा राजेश सहित अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डा. शिवम शुक्ला द्वारा किया गया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियाँ अत्यंत उत्साहवर्धक एवं सराहनीय रही।

www.jagran.com

सिद्धार्थनगर जागरण

एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सुदृढ़ करें छात्र : कुलपति

सिवि और मेडिकल कालेज में गुजरात स्थापना दिवस पर हुआ कार्यक्रम, शिक्षकों व छात्रों ने निकाली स्वच्छता रैली

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर : सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कविता शाह ने शुक्रवार को कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सुदृढ़ करना होगा। इसके छात्रों को आगे आना होगा। यह स्वस्थ परंपरा है कि एक राज्य का स्थापना दिवस दूसरे प्रांत में मनाया जाए। भारत की विरासत और परंपरा से गुजरात बहुत ही घनिष्ठ है। वहां का खानपान स्वास्थ्यवर्धक है। शहर और गांव के बीच आत्मीयता है। आधुनिक भारत का मार्ग गुजरात से होकर निकल रहा है।

कुलपति प्रो. कविता शाह ने यह बातें सिवि के गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह में आयोजित गुजरात स्थापना दिवस में कहीं। इसमें छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। विभिन्न प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. कविता शाह ने कहा कि गुजरात दिवस केवल एक राज्य के स्थापना पर आयोजित कार्यक्रम नहीं है। बल्कि भारत की संघीय संरचना, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल का गुजरात से गहरा नाता रहा। प्रो. नीता यादव, प्रो. प्रकृति राय, प्रो. सुनील श्रीवास्तव, प्रो. लक्ष्मण सिंह, डा. आशुतोष वर्मा, डा. यशवंत सिंह, डा. रक्षा, डा. विमल वर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

मेडिकल कालेज में निकली जागरूकता रैली : माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज में गुजरात स्थापना दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई। शिक्षक व छात्रों ने स्वच्छता अभियान संचालित किया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रैली मेडिकल कालेज से निकलकर चिकित्सालय परिसर भ्रमण करने के बाद वापस लौटी। डा. नौशाद आलम ने लोगों को जागरूक किया।

सिवि में गुजरात स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती छात्राएं ● सौ. सिवि प्रशासन

मेडिकल कालेज में गुजरात स्थापना दिवस पर जागरूकता रैली निकालते शिक्षक व छात्र ● सौ. मेडिकल कालेज प्रशासन

दिनांक – 24-04-2026

ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु एक बौद्ध कालीन प्राचीन नगर पर अवस्थित है अतः छात्रों को समय समय पर इन ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण माननीय कुलाधिपति जी की प्रेरणा से कराया जाता है। सभी छात्र व् शिक्षक समूह गनवरिया और पिपरहवा के उत्खनन स्थलों को देखने गए।

भ्रमण का उद्देस्य

* विद्यार्थियों को बौद्धकालीन इतिहास एवं संस्कृति से परिचित कराना।

* पुरातत्विक साक्ष्यों का प्रत्यक्ष अध्ययन

*प्राचीन भारतीय नगर एवं धार्मिक संरचनाओं की समझ विकसित करना

लाभार्थियों की संख्या - 35

गनवरिया - प्राचीन नगर बस्ती के अवशेष , खुदाई में प्राप्त आवासीय संरचनाएं , मिटटी के बर्तन , सिक्के मनके। इसे कपिलवस्तु का आवासीय क्षेत्र मना जाता है।

पिपरहवा में विशाल बौद्ध स्तूप है। यहाँ खुदाई से प्राप्त अस्थि अवशेष को भगवान् बुद्ध से सम्बंधित माना जाता है क्योंकि एक कलश पर ब्राह्मी में उत्कीर्ण एक अभिलेख प्राप्त हुआ है। इसे प्राचीन शाक्यों की राजधानी माना गया है।भ्रमण सुबह ११ बजे से प्रारम्भ होकर शाम ६ बजे तक कराया गया।

भ्रमण करते शिक्षक व् छात्र छात्राएं

दिनांक 26-04-2026

स्कूटी जागरूकता रैली

छात्रों और शिक्षकों द्वारा स्कूटी रैली निकली गयी जिसके माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया गया। सभी को साफ सफाई के प्रति जागरूक किया गया।

शिक्षकों द्वारा व्याख्यान भी दिए गए

छात्रों के लिए आवश्यक निर्देश - अनुशासन बनाये रखें , स्वक्छता का ध्यान रखें।

लाभार्थियों की संख्या – 56

माननीय कुलपति जी के निर्देशानुसार बैनर और स्लोगन के साथ रैली निकली गयी जो पास के गांव तक जाकर वापस आयी। अधिष्ठाता कला संकाय एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो नीता यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारम्भ किया गया।

उद्देश्य

समाज में स्वक्छता , पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा को बढ़ावा देना

विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना

जन सामान्य को सकारात्मक सन्देश देना

स्लोगन

कन्या शिक्षा को दो अधिकार स्वव्छ भारत स्वस्थ भारत

कचरा डालो डिब्बे में खुशाली लाओ घर घर में

स्वस्थ जीवन शुद्ध विचार

NSS और NCC के छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया

दिनांक – 28-04-2026

सीमावर्ती क्षेत्रों का भ्रमण

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु भारत नेपाल सीमा के समीप स्थित है। अतः छात्रों को अलीगढ़वा बॉर्डर और खनुआ बॉर्डर का भ्रमण कराया गया

सीमावर्ती क्षेत्र का भ्रमण एक महत्वपूर्ण शैक्षिक एवं जागरूकता गतिविधि है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों और नागरिकों को देश की सीमाओं , सुरक्षा व्यवस्था तथा वहां के जीवन परिस्थितियों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिलती है।

उद्देश्य

* देश की सीमाओं और उनकी सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करना

* सीमा पर तैनात सैनिकों के जीवन और संघर्ष को समझना

* राष्ट्रभक्ति और जिम्मेदारी की भावना को विकसित करना

* सीमावर्ती क्षेत्रों के आर्थिक और सामाजिक सांस्कृतिक जीवन का अध्ययन करना।

लाभार्थियों की संख्या - 54

खुनवा बॉर्डर सिद्धार्थनगर जिले में स्थित है। यह भारत नेपाल सीमा है । यह भारत नेपाल के बीच आवागमन तथा सांस्कृतिक संपर्क का प्रमुख मार्ग है। इसकी सुरक्षा बॉर्डर सिक्योरिटी फा◌ॅर्स द्वारा की जाती है। नेपाल की और से सशस्त्र प्रहरी बल तैनात रहता है।

अलीगढ़वा बॉर्डर भी सिद्धार्थनगर जनपद में आता है। यह विश्वविद्यालय से मात्र डेढ़ किलोमीटर पर स्थित है। यह स्थानीय आवागमन , व्यापर और सांस्कृतिक संपर्क का एक प्रमुख माध्यम है।

सीमावर्ती व्यापार और छोटे लेन देन का केंद्र है। इसकी सुरक्षा बॉर्डर सिक्योरिटी फाॅर्स द्वारा ही की जाती है। नेपाल की और से सशस्त्र प्रहरी बल तैनात रहता है।

दिनाँक- 29-04-2026

पोस्टर प्रतियोगिता

पोस्टर प्रतियोगिता एक रचनात्मक और जागरूकता बढ़ने वाली गतिविधि है जिसमे प्रतिभागी चित्रों और संदेशों के माध्यम से किसी सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हैं।

उद्देश्य

* विद्यार्थियों में रचनात्मक और कलात्मक कौशल का विकास

* सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाना

* विचारों को चित्र के माध्यम से अभिव्यक्त करना

संभावित विषय - छात्र स्वतंत्र प्रवृति से गुजरात राज्य के लिए कुछ भी चित्र प्रस्तुत कर सकते थे

छात्रों द्वारा निर्मित पोस्टरों को प्रदर्शित किया गया एवं विजयी छात्रों के नाम की घोषणा की गयी।

लाभार्थियों की संख्या 200

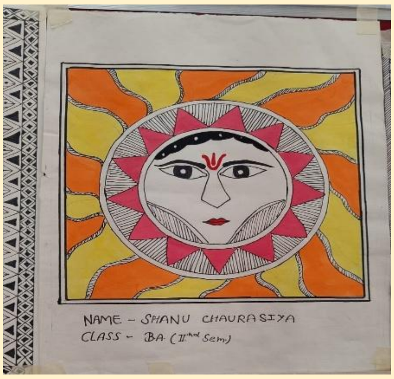

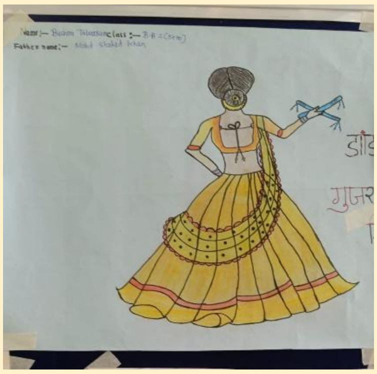

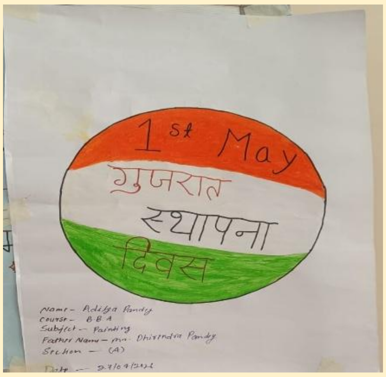

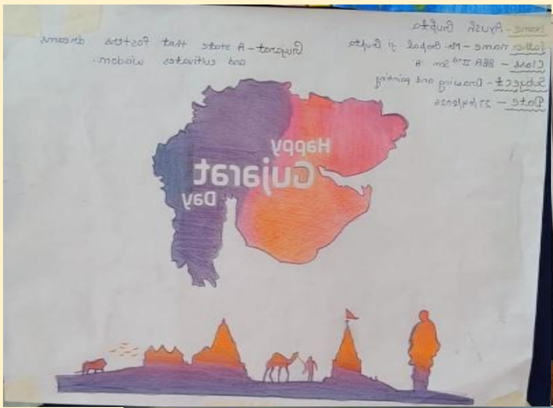

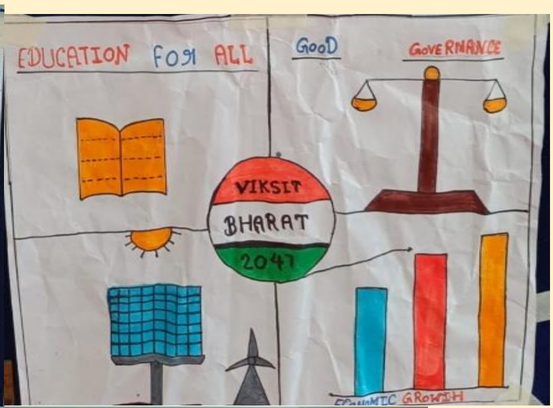

छात्रों द्वारा रंगों के माध्यम से गुजरात की अभिव्यक्ति

मूल्याङ्कन का आधार

विषय की समझ ,रचनात्मकता ,सन्देश की स्पष्टता ,प्रकृति का सौंदर्य

बनाये गए पोस्टरों को विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा अवलोकन किया गया। चुने हुए पोस्टरों को गुजरात दिवस की दिन प्रदर्शित किया गया।

दिनांक -30-04-2026

HPV वैक्सीन जागरूकता कार्यक्रम

ह्यूमन पैपिलोमा वायरस एक सामान्य वायरस है जो मुख्यतः त्वचा और श्लेष्मा झिल्ली को प्रभावित करता है। इसके कुछ प्रकार आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय का कैंसर)का कारन बन सकता है। HPV वैक्सीन इस संक्रमण का प्रभावी उपाय है।

उद्देश्य

HPV और उनसे होने वाली बिमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना

किशोरियों एवं महिलाओं को वैक्सीन के महत्व के बारे में जानकारी देना।

टीकाकरण को बढ़ावा देना

लक्षित समूह

९-१४ वर्ष की किशोरियां

१५-२६ वर्ष की युवतियां

अभिभावक एवं शिक्षक

लाभार्थियों की संख्या १२०

विश्वविद्यालय के चिकित्सक और उनकी टीम के द्वारा गोद लिए गए गांव में जाकर जागरूकता अभियान चलाया गया।

जागरूकता अभियान में शामिल चिकित्सक   स्थान बर्डपुर संख्या १

दिनांक -30-04-2026

पदयात्रा

गुजरात दिवस के उपलक्ष में छात्रों और शिक्षकों द्वारा एक पदयात्रा का आयोजन किया गया जिसमे NSS के छात्रों के प्रतिभागिता रही. इस पदयात्रा का उद्देश्य गुजरात के इतिहास और गौरव को जन जन तक पहुंचना था।

लाभार्थियों की संख्या 47

पदयात्रा का उद्देश्य

राज्य के गौरव और सांस्कृतिक विरासत का प्रचार

राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को बढ़ावा

स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए जागरूकता

पदयात्रा की योजना

विश्वविद्यालय के कला संकाय से प्रारम्भ होकर मुख्य द्वार से सार्वजनिक स्थल होते हुए विश्वविद्यालय की कैंटीन तक

राष्ट्रीय एकता के लिए पदयात्रा बैनर और तख्तियों के साथ गुजरात जिंदाबाद के नारे

दिनांक – 30-04-2026

पोषण पोटली वितरण एवं हस्त शिल्प कारीगरों से मुलाकात

यह कार्यक्रम पोषण जागरूकता और स्थानीय हस्त शिल्प को जोड़ने का एक प्रयास है। इसमें समुदाय के लोगों विशेषकर महिलाओं और कारीगरों से संवाद कर उनके ज्ञान कौशल और आजीविका को समझा जाता है। पोषण पोटली एक प्रतीकात्मक थैली है जिसमें खाद्य सामग्री राखी जाती है। माननीय कुलाधिपति महोदया की प्रेरणा एवं कुशल निर्देशन में क्षय रोगियों को यह पोषण पोटली विश्विद्यालय स्टार से प्रदान की जाती है। ख़ुशी की बात है की अब विश्वविद्यालय परिधि में सभी क्षय रोगी राग मुक्त हो गए है जिसके लिए विश्विद्यालय समय समय पर गोद लिए गए गाओं में भ्रमण करते हैं और उनकी समस्याओं को सुन कर निदान करते है।

क्षय रोगियों के हाल चाल पूछते विश्विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी और छात्र

हस्त शिल्प कारीगरों से उनके व्यवसाय के प्रति जानकारी प्राप्त की गयी। मिटटी के बर्तन बनाने वाले कुम्हारों से बातचीत की गयी उनके बनाये मिटटी के बर्तन सजावट हेतु खरीदे भी गए। उन्हें सरकारी योजनाओं के लाभ की भी जानकारी प्रदान की गयी।

उद्देश्य

पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना

स्थानीय कला को प्रोत्साहन देना

वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा

समाज और शिक्षा के प्रति समन्वय

लाभार्थियों की संख्या - 27

मिटटी के बर्तन और बर्तन पकाने की भट्टी

गुजरात दिवस पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का समापन हर्षोल्लाष के साथ हुआ। माननीय कुलाधिपति के प्रेरणा से और माननीय कुलपति महोदया के निर्देशन में समस्त कार्यक्रम प्रभावी रूप से पूर्ण किये गए।

आभार ज्ञापन

सर्वप्रथम माननीय राज्यपाल /कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल का ह्रदय से आभार हमें नित नए आयाम तक पहुँचाने की प्रेरणा श्रोत।

माननीय कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय प्रो कविता शाह जी का ह्रदय से आभार आपके निर्देशन से कार्यों को गति प्राप्त होती है

आदरणीय कुलसचिव जी का आभार जिनके द्वारा समस्त व्यवस्थाओं का क्रियान्वन होता है

आदरणीय वित्त अधिकारी जी का आभार आपके सहयोग से कार्यक्रम सफल होते हैं

समस्त शिक्षक बंधुओं का आभार जिनके सहयोग से कार्यक्रम गति पकड़ते हैं

समस्त छात्र छात्राएं , NCC, NSS वालंटियर्स को धन्यवाद सहयोग और सीखने की लालसा हेतु

3 राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक सनशाइन समय प्रदेश

गुजरात स्थापना दिवस पर कई दिनों से चल रहे कार्यक्रम श्रृंखला का हुआ भव्य समापन

सन शाइन समय से ब्यूरो रिपोर्ट

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में गत कई दिनों से आयोजित गुजरात स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला का आज भव्य समापन किया गया। गुजरात दिवस के अवसर पर आज विश्वविद्यालय परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह में आयोजित इस समापन कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुजरात प्रदेश के स्थापना दिवस के आयोजन का निर्देश प्राप्त होने के उपरांत विश्वविद्यालय में लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी को गुजरात दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह एक अत्यंत स्वस्थ एवं प्रेरणादायक परंपरा है, जिसमें एक राज्य का स्थापना दिवस दूसरे राज्य में उल्लासपूर्वक मनाया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना को सुदृढ़ करते हैं तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के बीच राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समरसता का भाव विकसित करते हैं। गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, सामाजिक जीवन की जीवंतता तथा उसकी आध्यात्मिक विविधता भारत की साझा विरासत को समृद्ध करती है। वहाँ की परंपराएँ, लोकजीवन, धार्मिक सह–अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। गुजरात की आर्थिक प्रगति और विकास मॉडल आज भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के लिए भी एक महत्वपूर्ण प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित है।

कुलपति ने सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के शिल्पकार के रूप में स्मरण करते हुए कहा कि उनका योगदान राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय है। साथ ही महात्मा गांधी, जिनका गहरा संबंध गुजरात से रहा है, उन्होंने न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व को अहिंसा का संदेश दिया। आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में गांधीजी का यह संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि महात्मा गौतम बुद्ध के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय में शांति, करुणा और सह–अस्तित्व का संदेश विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

इस अवसर पर कुलसचिव ने कहा कि विगत दिनों से चल रही इस कार्यक्रम श्रृंखला के समापन अवसर पर अत्यंत सुखद अनुभूति हो रही है। परीक्षा के व्यस्त समय के बावजूद विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सराहनीय है तथा शिक्षकों एवं कर्मचारियों का सहयोग कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण रहा है। कार्यक्रम की संयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर नीता यादव ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को देश की विविध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हैं और उनमें राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में "बुद्धं शरणं गच्छामि" गीत की मनमोहक प्रस्तुति संगीतकार साकेत एवं उनकी टीम द्वारा दी गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा सोलो एवं समूह नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिनमें विशेष रूप से पारंपरिक गुजराती गरबा नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। महात्मा गांधी के प्रिय भजन "वैष्णव जन तो" का भावपूर्ण गायन भी किया गया। इसके अतिरिक्त गुजरात की संस्कृति, सामाजिक जीवन एवं आर्थिक विकास पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसे विद्यार्थियों ने अत्यंत रुचि के साथ देखा। कार्यक्रम में प्रोफेसर प्रकृति राय, प्रोफेसर सुनील श्रीवास्तव, प्रो लक्ष्मण सिंह सहयुक्त आचार्य आशुतोष वर्मा, डॉ. यशवंत डॉ. रक्षा, डॉ. विमल वर्मा, अमरजीत यादव, डॉ. यशवंत यादव, डॉ. प्रदीप पाण्डेय, डॉ अमरजीत, डॉ. दीप्ति गिरी, डॉ. किरण, डॉ. आभा द्विवेदी, डॉ. राजेश सहित अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिवम शुक्ला द्वारा किया गया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियाँ अत्यंत उत्साहवर्धक एवं सराहनीय रही।

बुद्ध पूर्णिमा पर कचहरी परिसर में सेवा

सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु की ओर से गोद लिए गांव में भ्रमण करती टीम। • हिन्दुस्तान

गुजरात दिवस पर जनसंपर्क अभियान

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु में गुजरात दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. कविता शाह के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय टीम ने गोद लिए गए टीबी मरीजों के घर पहुंचकर उनका हालचाल जाना और उपचार, पोषण व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रो. नीत यादव ने किया, जिसमें डॉ. सरिता सिंह, डॉ. अरविंद रावत सहित अन्य रहे।

सीमावर्ती क्षेत्रों का भ्रमण विद्यार्थियों को देगा लाभ

सन्देश वाहक न्यूज

- देश की भौगोलिक सामाजिक एवं सुरक्षा व्यवस्था को समझने का सशक्त अवसर मिला :. प्रो शर्मा

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जनपद के सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में आगामी 1 मई 2026 को मनाए जाने वाले गुजरात स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश राजभवन सचिवालय के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत,सीमावर्ती क्षेत्र का भ्रमण कार्यक्रम के तहत आज सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की एक टीम द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों का भ्रमण किया गया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के लगभग 60 से अधिक छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सीमावर्ती गांवों का दौरा किया तथा विशेष रूप कैम्प का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने ग्रामीणों से मुलाकात की तथा अलीगढ़ नेपाल सीमा बॉर्डर एवं खुनवा नेपाल सीमा बॉर्डर पर आवागमन कर रहे लोगों से संवाद स्थापित किया। इस दौरान भारत एवं नेपाल के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधोंए आपसी सहयोग तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक निकटता पर भी सार्थक चर्चा की गई। इस अवसर पर पूर्व अधिष्ठाता कला संकाय एवं पूर्व अधिष्ठात, छात्र कल्याण प्रो. हरीशकुमार शर्मा ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र का यह भ्रमण विद्यार्थियों को देश की भौगोलिकए सामाजिक एवं सुरक्षा व्यवस्था को समझने का सशक्त अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक संवेदनशीलता एवं कर्तव्यबोध का विकास होता है। साथ ही उन्होंने विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपराओं एवं जीवनशैली को जानने और उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सतेंद्र कुमार दुबे ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के अनुभवात्मक भ्रमण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उन्हें देश की विविधता और सीमावर्ती जीवन की वास्तविकताओं से परिचित कराते हैं। इस भ्रमण यात्रा में लगभग 40 किलोमीटर के सीमावर्ती क्षेत्र का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से डॉ. विशाल गुप्ता, डॉ. हृदयकांत पांडेय, डॉ. जय सिंह यादव, डॉ.रविकांत शुक्ला, डॉ. यशवंत यादव, डॉ.मुन्नू खान, डॉ. अब्दुल हफीज एवं डॉ. धर्मेंद्र, डॉ अविनाश, रोहित, सोहरत सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अनुभव के साथ-साथ सीमावर्ती जीवन, भारत। नेपाल संबंधों एवं सामाजिक समन्वय को समझने का प्रभावी माध्यम सिद्ध हुआ।